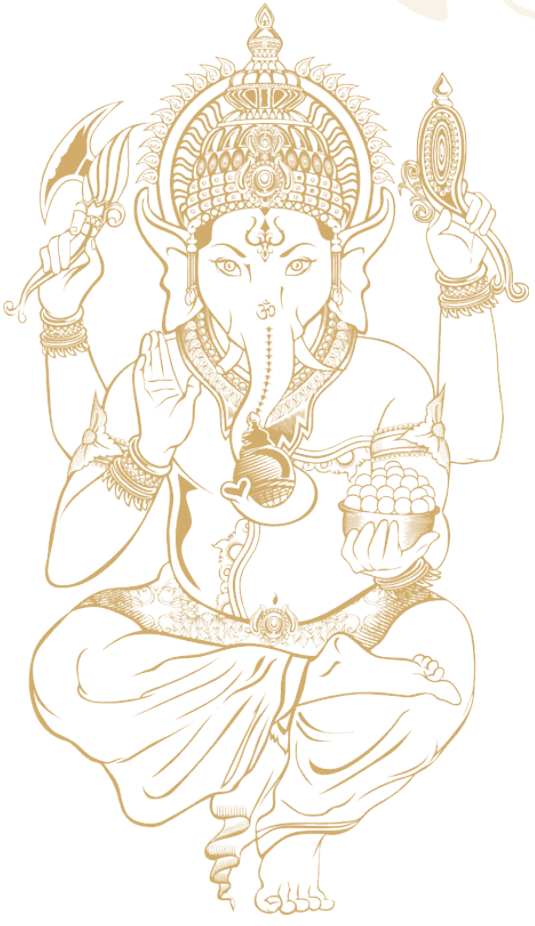

Kanhaiya lal purohit

21 Jul 1997

03:23 AM

Bikaner

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121104910

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20-21/07/1997**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:23:04 घंटे**
इष्ट	53:46:28 घटी
स्थान	**Bikaner**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	73:22:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:46:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:20 घंटे
साम्पातिक काल	22:41:23 घंटे
सूर्योदय	05:52:28 घंटे
सूर्यास्त	19:32:53 घंटे
दिनमान	13:40:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:22:24 कर्क
लग्न के अंश	00:17:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:17:54	340:33:41	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कर्क	04:22:24	00:57:15	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मक	15:03:39	14:50:09	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			कन्या	21:53:29	00:33:06	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			कर्क	27:41:45	01:29:24	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	25:37:19	00:06:44	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	02:59:37	01:12:22	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:25:07	00:01:13	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:06:41	00:05:56	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:06:41	00:05:56	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	13:13:40	00:02:21	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:45:23	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:09:14	00:00:44	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:54:11	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:21

लग्न-चलित

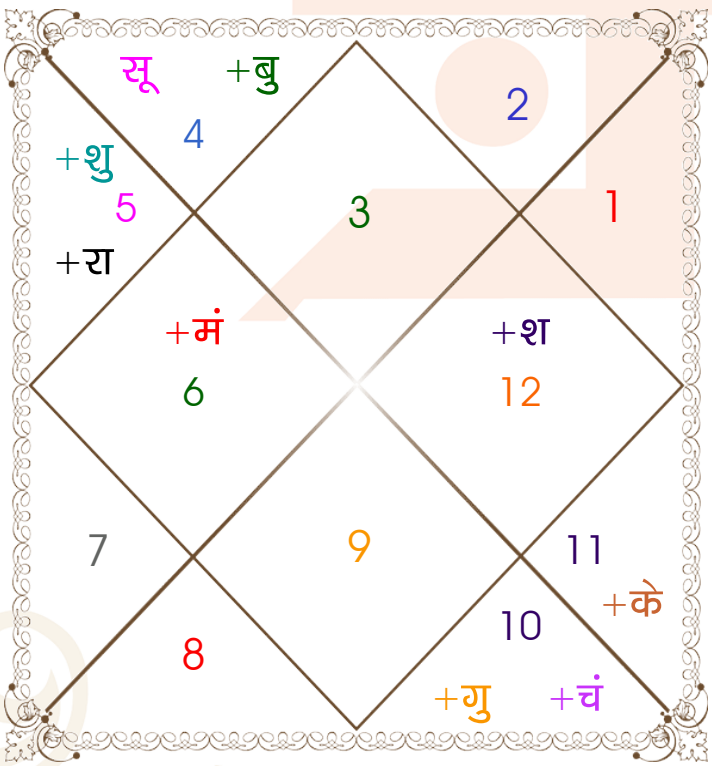

चन्द्र कुंडली

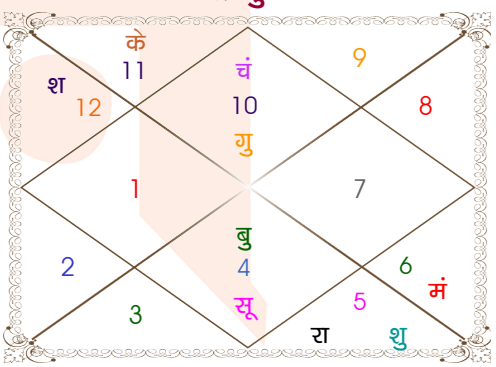

नवमांश कुंडली

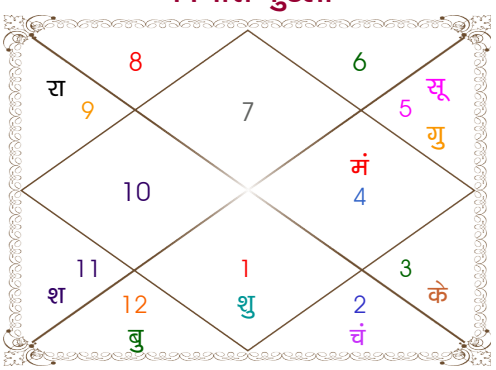

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 2 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/07/1997		04/10/2003		04/10/2010		03/10/2028		03/10/2044	
04/10/2003		04/10/2010		03/10/2028		03/10/2044		04/10/2063	
	00/00/0000	मंगल	01/03/2004	राहु	16/06/2013	गुरु	21/11/2030	शनि	07/10/2047
	00/00/0000	राहु	19/03/2005	गुरु	09/11/2015	शनि	04/06/2033	बुध	16/06/2050
	21/07/1997	गुरु	23/02/2006	शनि	15/09/2018	बुध	09/09/2035	केतु	26/07/2051
गुरु	03/01/1998	शनि	04/04/2007	बुध	04/04/2021	केतु	15/08/2036	शुक्र	24/09/2054
शनि	04/08/1999	बुध	31/03/2008	केतु	22/04/2022	शुक्र	16/04/2039	सूर्य	06/09/2055
बुध	02/01/2001	केतु	27/08/2008	शुक्र	22/04/2025	सूर्य	03/02/2040	चंद्र	07/04/2057
केतु	03/08/2001	शुक्र	28/10/2009	सूर्य	17/03/2026	चंद्र	04/06/2041	मंगल	16/05/2058
शुक्र	04/04/2003	सूर्य	04/03/2010	चंद्र	15/09/2027	मंगल	10/05/2042	राहु	22/03/2061
सूर्य	04/10/2003	चंद्र	04/10/2010	मंगल	03/10/2028	राहु	03/10/2044	गुरु	04/10/2063

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/10/2063		03/10/2080		04/10/2087		05/10/2107		04/10/2113	
03/10/2080		04/10/2087		05/10/2107		04/10/2113		00/00/0000	
बुध	01/03/2066	केतु	01/03/2081	शुक्र	02/02/2091	सूर्य	22/01/2108	चंद्र	05/08/2114
केतु	27/02/2067	शुक्र	01/05/2082	सूर्य	03/02/2092	चंद्र	23/07/2108	मंगल	06/03/2115
शुक्र	27/12/2069	सूर्य	06/09/2082	चंद्र	03/10/2093	मंगल	28/11/2108	राहु	04/09/2116
सूर्य	03/11/2070	चंद्र	07/04/2083	मंगल	03/12/2094	राहु	23/10/2109	गुरु	22/07/2117
चंद्र	03/04/2072	मंगल	03/09/2083	राहु	03/12/2097	गुरु	11/08/2110		00/00/0000
मंगल	01/04/2073	राहु	21/09/2084	गुरु	04/08/2100	शनि	24/07/2111		00/00/0000
राहु	19/10/2075	गुरु	28/08/2085	शनि	05/10/2103	बुध	29/05/2112		00/00/0000
गुरु	24/01/2078	शनि	07/10/2086	बुध	05/08/2106	केतु	04/10/2112		00/00/0000
शनि	03/10/2080	बुध	04/10/2087	केतु	05/10/2107	शुक्र	04/10/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 2 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।